ETV Bharat

ETV BharatNews & Magazines

प्लास्टिक है पर्यावरण की दुश्मन फर भी लोग बरत रहे लापरवाही

Published on: Jul 27, 2021, 5:10 PM IST

प्रदेश सरकार (UP Government) ने प्लास्टिक (Plastic) पर पूरी तरह प्रतिबंध (banned) लगा रखा है. इसके बावजूद प्रदेश भर में इसका उपयोग खुलेआम हो रहा है. इसके पीछे अफसरों की लापरवाही के साथ-साथ लोगों में जागरूकता की कमी भी एक कारण है.

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार (UP Government) ने प्रदेश में प्लास्टिक (Plastic) को पूरी तरह से प्रतिबं धत (banned) करने का काम कया था. प्लास्टिक को प्रतिबं धत कए हुए करीब तीन साल से अ धक का समय हो गया है , ले कन राजधानी सहित अन्य शहरों में इसका उपयोग खुलेआम हो रहा है. प्लास्टिक के उपयोग और बिक्री को यूपी में अपराध भी घो षत कया जा चुका है , ले कन अफसरों की लापरवाही और जागरूकता के अभाव में लोग इसे लगातार यूज कर रहे हैं. प्लास्टिक पर्यावरण के लए भी काफी खतरनाक है , ले कन लोग इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं.

राजधानी लखनऊ सहित अन्य बड़े शहरों में या अन्य नगर निकायों के स्तर पर प्लास्टिक को पूरी तरह से प्रतिबं धत कया गया है , ले कन इसका धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है. अ धकारी इसके खलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं. दावे कए जाते हैं क कार्रवाई हो रही है, ले कन यह नाकाफी साबित हो रही है. जब कभी सरकार की तरफ से सख्ती दिखाई जाती है तो बड़ी मात्रा में प्रतिबं धत प्लास्टिक जब्त करने की कार्रवाई होती है और बड़े पैमाने पर जुर्माना भी लगाया जाता है.

प्लास्टिक पर्यावरण की दुश्मन.

पर्यावरण के लए काफी खतरनाक है प्लास्टिक

चौंकाने वाली बात यह है क प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण को भी काफी नुकसान पहुंच रहा है और अ धकारी इसे पूरी तरह से प्रतिबं धत करने की दिशा में ठीक ढंग से प्रयास नहीं कर पा रहे हैं. पर्यावरण जानकारों के अनुसार प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंच रहा है, इससे जमीन की उर्वरा शक्ति भी कम हो रही है , ले कन इसे पूरी तरह से रोकने में सरकार और प्रशासनिक अ धकारी फेल ही नजर आ रहे हैं.

अफसरों का दावा, लगातार हो रही कार्रवाई

लखनऊ के अपर नगर आयुक्त अ मत कुमार कहते हैं क तीन साल पहले प्रदेश में प्लास्टिक को प्रतिबं धत कया गया था और प्लास्टिक और अन्य डस्पोजल सामानों पर प्रतिबंध लगाया गया था. अ मत कुमार दावा करते हैं क लखनऊ नगर निगम प्रशासन के द्वारा करीब सवा करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है. निरंतर इसमें कार्रवाई की जा रही है. जहां जिस प्रकार की शकायत आती है क प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है या बिक्री हो रही है तो उनके खलाफ कार्रवाई की जाती है और जुर्माना वसूला जाता है.

सख्ती के साथ जागरूकता से रुकेगा प्लास्टिक का यूज

अपर नगर आयुक्त अ मत कुमार यह भी कहते हैं क कार्रवाई के बावजूद कुछ जगहों पर प्लास्टिक का प्रयोग लोग कर रहे हैं. हम कार्रवाई तो कर रहे हैं , ले कन जनता को भी सहयोग देना पड़ेगा. जनता की जागरूकता के साथ इस पर पूरी तरह से रोक लगाई जा सकती है. हम जो प्लास्टिक यूज कर रहे हैं हमारे पर्यावरण के लए काफी खतरनाक है. कानून अपने स्तर से सीमाओं के अंदर काम कर रहा है. जनता से हमारी अपील है क प्लास्टिक का उपयोग स्वयं से बंद कर दें तो ज्यादा अच्छा रहेगा.

कार्रवाई के बावजूद प्रतिबं धत प्लास्टिक की हो रही आपूर्ति

चौंकाने वाली बात यह है क अफसरों द्वारा कार्रवाई और जुर्माना वसूलने के बावजूद भी प्रदेश के तमाम बड़े शहरों में प्रतिबं धत प्लास्टिक का उपयोग और बिक्री खुलेआम हो रही है. सबसे बड़ा सवाल यह है क फैक्ट्रियों के स्तर पर लगातार प्रतिबं धत प्लास्टिक और डस्पोजेबल सामान की मैन्युफैक्चरिंग की जा रही है और इसकी भी आपूर्ति बाजार में हो रही है. सरकार आ खर कब इनपर कार्रवाई करेगी.

पर्यावरण वद बोले, प्लास्टिक पर्यावरण के लए काफी नुकसानदेह

पर्यावरण वद भरत राज संह कहते हैं क केंद्र और राज्य सरकारों ने प्लास्टिक को पूरी तरह से प्रतिबं धत करने का आदेश जारी कया है , ले कन दुकानों पर प्लास्टिक का उपयोग और बिक्री खुलेआम हो रही है. प्लास्टिक पर्यावरण के लए काफी नुकसानदेह है. इससे जमीन की उर्वरा शक्ति भी कम हो रही है और प्लास्टिक के थैलों में रखी सामग्री को खाने से पशुओं को भी काफी नुकसान पहुंच रहा है. सरकार को इस दिशा में गंभीरता से और सख्ती के साथ कार्रवाई करनी चाहिए, जिससे प्लास्टिक का उपयोग रोका जा सके. इसके अलावा जन सामान्य को भी पर्यावरण के लए खतरनाक हो चुकी प्लास्टिक का उपयोग बंद करना चाहिए.